४०१/४८४

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २०१४)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५) **सत्संग प्रवेश - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - तृतीय संस्करण, नवम्बर - २०११

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आप चाहें तो हम गुरुजी को पत्र लिख सकते हैं ।'' (१०७)
२. ''अपने स्वरूप का ज्ञान कराया और अब एकाएक आपने कहाँ जाने की तैयारी की ?'' (३७)
३. ''आप इतने दिनों से भूखे हैं, अत: हम आपके लिए सत्तू लेकर आए हैं ।'' (७१)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. धवलगिरि और श्यामगिरि के बीच के भयंकर प्रवाह में नीलकंठवर्णी ने छलांग लगा दी । (३१-३२)
२. वैरागियों नीलकंठवर्णी को भगवान के स्वरूप में याद करने लगे । (१६)
३. रामानंद स्वामी श्रीकृष्ण की भक्ति का उपदेश देने लगे । (८७)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. जांबुवान का कल्याण (५२-५४)
२. बदरीनाथ धाम की ओर (१७-१८)
३. भूतों का नाश और योगियों का मोक्ष (२८-३०)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. नौ लाख योगी प्रतिदिन क्या करते थे ? (४६)
२. रामानन्द स्वामी कब और कहाँ अंतर्धान हुए ? (१२०)
३. वंशीपुर की राजकन्याओं के नाम लिखों । (२५)
४. जयरामदास को नीलकंठवर्णी कोन सी दिशा में मिले ? (५५)
५. गोराड गाँव के पास बाड़ी में कोन रहट चला रहा था ? (७८)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. नौ लाख योगियों का उद्धार (४८)
   (१) ☐ तीन दिन तक रहे
   (२) ☐ आप मुझे छोडना नहीं
   (३) ☐ दो दिन तक रहे
   (४) ☐ आपकी मूर्ति हमारे अंतर में सदा निवास करे
२. रामानंद स्वामी को पत्र लिखा (१०७-१०८)
   (१) ☐ संवत् १८५७ कृष्ण पक्ष की फाल्गुन पंचमी
   (२) ☐ लालजी सुथार ने रामानंद स्वामी को दंडवत् प्रणाम किया ।
   (३) ☐ संवत् १८५६ कृष्ण पक्ष की फाल्गुन पंचमी
   (४) ☐ मयाराम भट्ट ने रामानंद स्वामी को दंडवत् प्रणाम किया ।

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. नीलकंठवर्णी जानते थे कि मेरे लिए ..... ने कार्यक्षेत्र तैयार किया है । (९७)
२. संयोगी साधु को ..... पुत्र और ..... पुत्रियाँ थीं । (५१)
३. तुंगभद्रा नदी ..... में बहती है, इसलिए लोग इसे ..... कहते हैं । (७४)
४. नीलकंठवर्णी को खोज ने के लिए जयरामदास को मा ने एक ..... में ..... देकर भेजा । (५५)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - १ - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''डभाण के ब्राह्मण को साधु होना है ।'' (२१-२२)
२. ''महाराज के पास मेरी याद करते रहना, जिससे मेरा कल्याण हो ।'' (३१)
३. ''ऐसा अवसर भला कैसे टाला जा सकता है ?'' (६३)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-१**''परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[४]**

१. दादाखाचर लकडियाँ जला कर महाराज के पास ले आये । (२३) २. जोबन पगी डभाण आये । (३६)

प्र.९ हरिभक्तों की सेवा में निर्गुण स्वामी (५३) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. झीणाभाई के प्रति नवाब साहब का आदर क्यों बढ़ गया ? (२७)
२. सिरोही नरेश के हृदय में कोन सा विचार हुआ ? (१)
३. सांकलेश्वर महादेव का मन्दिर कहाँ आया है ? (१५)
४. देवानन्द स्वामी किस मन्दिर के महंत के पद पर नियुक्त हुए ? (१८)

प्र.११ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : जीवुबा की भकित । (४३)

१. बापू ! वही स्वामी सहजानन्द जो हमारे गुरुदेव हैं । **२.** कटोरे का जल पीने लगे । **३.** बेटी ! तुम किसकी भक्ति कर रही हो ? **४.** होश में आते ही अेभलखाचर भगवान के चरणों में गिर पड़े । **५.** हाथ से कटोरा गिर पड़ा । **६.** यह सारा ढोंग छोड़ दे । **७.** लोग जो कहते हैं, हमारे घर में जो देवता घूमफिर रहा है वह कौन है ? **८.** महिमा के साथ यदि आप भी उनका भजन करेंगे तो अवश्य वे आपके भी वश हो जाएँगे । **९.** भगवान कृष्ण रूप धारण कर मूर्ति में से प्रकट हूए । **१०.** कमरा खुशबू से भर गया । **११.** अभी जो यह दूध पी गया वह कौन है ? **१२.** लाडूबाने दरबार का भ्रम दूर किया ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे ।(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : मोतीभाई के पुत्र जेठाभाई, खेत में घूमते समय बिच्छू के काटने से धाम में गए । बाद में श्रीजीमहाराज के साथ आकर मोतीभाई को नारायण कहा ।

उत्तर : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : आशाभाई के पुत्र देसाईभाई, चारागाह में काम करते समय सर्पदंश होने से धाम पधारे । बाद में भगतजी महाराज के साथ आकर आशाभाई को जय स्वामिनारायण बोला ।

१. **सद्गुरु देवानन्द स्वामी :** बालभक्त का जन्म बरवाला के पास, पहेलारपुर गाँव में संवत् १७५९ मार्गशीर्ष अमावास्या के दिन हुआ था । (१५)
२. **भक्तराज जोबनपगी :** अरे सगराम ! इस साधु में तुमने क्या देख लिया कि भैंस भी चौंक उठे ऐसा तिलक लगाकर घमण्ड में घूम रहे हो । (४०)
३. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई :** झीणाभाई के भक्तिभाव से संवत् १८७९ में वसंतपंचमी का महोत्सव श्रीजीमहाराज ने सारंगपुर में धूमधाम से मनाया । (२९)
४. **सद्गुरु ब्रह्मानन्द स्वामी :** रास्ते में धमड़का गाँव पड़ता था, वहाँ वे कुछ समय ठहरे और विप्र भट्टाचार्य से विज्ञान और तत्त्वज्ञान का शिक्षण लिया । (२)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१०]**

१. शैक्षणिक और धार्मिक क्षेत्र की विरल विभूति : श्री विनायकराय त्रिवेदी ।
(स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - अक्टूबर - २०१३, पा.नं. २८ से ३२, २७)
२. साधवो हृदयं मह्यं, साधुनां हृदयं त्वहम् । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - दिसम्बर - २०१३, पा.नं. ६ से ७)
३. शास्त्रीजी महाराज के द्वारा शुद्ध उपासना फिर भी परंपरा का आदर । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती)-फरवरी-२०१४, पा.नं. २८ से ३०)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ जुलाई, २०१४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm